لِّلَّهِ مَا فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِي ٱلۡأَرۡضِۗ وَإِن تُبۡدُواْ مَا فِيٓ
أَنفُسِكُمۡ أَوۡ تُخۡفُوهُ يُحَاسِبۡكُم بِهِ ٱللَّهُۖ فَيَغۡفِرُ لِمَن يَشَآءُ
وَيُعَذِّبُ مَن يَشَآءُۗ وَٱللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيۡءٖ قَدِيرٌ ٢٨٤ ءَامَنَ
ٱلرَّسُولُ بِمَآ أُنزِلَ إِلَيۡهِ مِن رَّبِّهِۦ وَٱلۡمُؤۡمِنُونَۚ كُلٌّ ءَامَنَ بِٱللَّهِ
وَمَلَٰٓئِكَتِهِۦ وَكُتُبِهِۦ وَرُسُلِهِۦ لَا نُفَرِّقُ بَيۡنَ أَحَدٖ مِّن رُّسُلِهِۦۚ
وَقَالُواْ سَمِعۡنَا وَأَطَعۡنَاۖ غُفۡرَانَكَ رَبَّنَا وَإِلَيۡكَ ٱلۡمَصِيرُ ٢٨٥ لَا
يُكَلِّفُ ٱللَّهُ نَفۡسًا إِلَّا وُسۡعَهَاۚ لَهَا مَا كَسَبَتۡ وَعَلَيۡهَا مَا
ٱكۡتَسَبَتۡۗ رَبَّنَا لَا تُؤَاخِذۡنَآ إِن نَّسِينَآ أَوۡ أَخۡطَأۡنَاۚ رَبَّنَا وَلَا
تَحۡمِلۡ عَلَيۡنَآ إِصۡرٗا كَمَا حَمَلۡتَهُۥ عَلَى ٱلَّذِينَ مِن قَبۡلِنَاۚ رَبَّنَا
وَلَا تُحَمِّلۡنَا مَا لَا طَاقَةَ لَنَا بِهِۦۖ وَٱعۡفُ عَنَّا وَٱغۡفِرۡ لَنَا
وَٱرۡحَمۡنَآۚ أَنتَ مَوۡلَىٰنَا فَٱنصُرۡنَا عَلَى ٱلۡقَوۡمِ ٱلۡكَٰفِرِينَ ٢٨٦

Theme	
Allah will call all actions to account. True belief of Prophets and Muslims. A believer's supplication.	अल्लाह तमाम आमाल का हिसाब लेगा। अम्बिया और मुसलमानों का सच्चा ईमान। एक मोमिन की दुआ।
Tarjumani	
To Allah belongs all that is in the heavens and in the earth. Whether you reveal what is in your minds or conceal it, Allah will call you to account for it.	आसमानों और ज़मीन में जो कुछ है, सब अल्लाह का है| तुम अपने दिल की बातें खाह ज़ाहिर करो, खाह छिपाओ, अल्लाह बहरहाल उनका हिसाब तुमसे ले लेगा	फिर उसे

He, however, has full authority to pardon or punish anyone He pleases. Allah has complete power over everything. The Rasool has believed in the Guidance which has been revealed to him from his Rabb and so do the believers. They all believe in Allah, His angels, His books and His Rasools. They say: "We do not discriminate against anyone of His Rasools" and they say: "We hear and we obey. Grant us Your forgiveness, O our Rabb; to You we shall all return." Allah does not burden any human being with more than he can bear. Everyone will enjoy the credit of his deeds and suffer the debits of his wrong doings. The believers say: "Our Rabb! Do not punish us if we forget or make a mistake. Our Rabb! Do not place on us a burden as You placed on those before us. Our Rabb! Lay not on us the kind of burden that we have no strength to bear. Pardon us, Forgive us, Have mercy on us.	इख्तियार है, जिसे चाहे माफ़ कर दे और जिसे चाहे, सज़ा दे	वह हर चीज़ पर क़ुदरत रखता है	रसुल उस हिदायत पर ईमान लाया है जो उसके रब की तरफ़ से उसपर नाज़िल हुई है	और जो लोग इस रसुल के माननेवाले हैं, उन्होंने भी उस हिदायत को दिल से तसलीम कर लिया है	ये सब अल्लाह और उसके फरिश्तों और उसकी किताबों और उसके रसूलों को मानते हैं और उनका कौल यह है कि "हम अल्लाह के रसूलों को एक-दूसरे से अलग नहीं करते	हमने हुक्म सुना और इतायत कबूल की	मालिक, हम तुमसे खता बख्सी के तालिब हैं और हमें तेरी ही तरफ़ पलटना है|" अल्लाह किसी मुतनफ्फिस पर उसकी मकदिरत से बढ़कर ज़िम्मेदारी का बोझ नहीं डालता	हर शख्स ने जो नेकी कमाई है, उसका फल उसी के लिए है, और जो बदी समेटी है, उसका वबाल उसी पर है	(ईमान लानेवालो, तुम यूँ दुआ किया करो) ऐ हमारे रब, हमसे भूल-चुक में जो कुसूर हो जाएँ, उनपर गिरफ्त न कर	मालिक, हमपर वह बोझ न डाल, जो तूने हमसे पहले लोगों पर डाले थे	परवरदिगार, जिस बार को

You are our Protector, help us against the unbelievers."	उठाने की ताक़त हममें नहीं है, वह हमपर न रख	हमारे साथ नर्मी कर, हमसे दरगुज़र फरमा, हमपर रहम कर, तू हमारा मौला है, काफ़िरों के मुक़ाबले में हमारी मदद कर	
Tafsir	